is raging between SAIL and CIL over hike in coal price, as reported in the Hindustan Times, dated the 29th October, 1990; and

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor?;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRIMATI KANTI SINGH): (a) and (b) No, Sir. Steel Authority of India Ltd. have expressed their financial difficulties to CIL on the revision of coal prices w.e.f. 20.10.96. SAIL have urged CIL for improving the quality of coal supplies.

The prices of Coking coal and A,B and C grades of non-coking coal have been increased by CIL w.e.f. 20.10.96 to compensate for the increase in the costs of inputs, which are beyond the control of the Coal India Limited.

Outcome of the World Food Summit Held in Rome

2481. SHRI SUSHIL KUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether the World Food Summit held in Rome in November this year was attended by the Prime Minister;

(b) the main observations and recommendations made therein and the decisions taken for mutual food cooperation in case of natural calamities and disasters;

(c) whether right to access to food and nutrition was recognised by the World Conference as a Human Right; and

(d) the steps being taken by Government in pursuance thereof?

THE MINISTER OF FOOD AND MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) The Summit adopted what is called the Rome declaration with specified objectives and plans and programmes of action. It includes efforts to prevent and prepare for natural disasters and man-made emergencies and to meet transitory and emergency food requirements in ways that encourage recovery, rehabilitation, development and a capacity to satisfy future needs.

(c) The Rome declaration on World Food Security reaffirms the right of everyone to have access to safe and nutritious food, consistent with the right to adequate food and the fundamental right of everyone to be free from hunger.

(d) Most of the programmes and plan of action identified in the Rome declaration are already an imporatnt part of the plans and policies pursued by various Departments of the Government. Further discussions are taking place to evolve a suitable mechanism for implementing the action plans & programmes incorporated in the Rome declaration.

भारत-रूस व्यापार को बढ़ावा दिया जाना

2482. श्री गोविन्दराम मिरीः क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत-रूस व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और साथ ही यदि दोनों सरकारों द्वारा इस संबंध में कोई समझौते किये गये है, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत कुछ वर्षों के दौरान दोनों देशों के बीच किन-किन क्षेत्रों में व्यापार हो रहा है; और

(घ) दोनों देशों के बीच व्यापार में विस्तार के लिए किन-किन क्षेत्रों की पहचान की गई है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) और (ख) जी, हां, रूसी परिसंघ के साथ द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं जिनमें शामिल हैं:—

— रूसी पक्ष के साथ वार्ताओं को बढ़ावा देना जिसमें उच्चतम स्तर पर चर्चाएं भी शामिल है;

— संयुक्त आयोग व्यवस्था के जरिए व्यापार और आर्थिक सहयोग एवं भेषजों संबंधी कार्यदलों तथा परिवहन संबंधी उप-समूह के साथ द्विपक्षीय व्यापार की सतत समीक्षा करना, जिनकी अलग-अलग बैठकें नियमित अंतराल पर होती है।

— वस्तुओं के निर्यात के रूप में रूस के कर्ज के तेजी से उपयोग को द्विपक्षीय विचार-विमर्श के द्वारा सुकर बनाना;

— प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान, संयुक्त व्यापार परिषदों, प्रदर्शनियों के आयोजन, मेलों में भागीदारी, क्रेता-विक्रेता बैठकों इत्यादि के द्वारा सीधे व्यापार संपर्क को बढ़ावा देना;

— खेप निर्यातों को बढ़ावा देना और भारतीय बैंकों की और ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करना।

भारत और रूसी परिसंघ के बीच 4 मई, 1992 को हस्ताक्षरित व्यापार और आर्थिक सहयोग समझौते में भूतपूर्व सोवियत संघ के विखण्डन के समय से भारत-रूसी व्यापार और आर्थिक सहयोग के मूल ढांचे की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, ऋण पुनर्भुगतान कोष से रूसी एजेंसियों द्वारा कुछ पण्यों की दीर्घावधि खरीदों पर दोनों पक्षों के बीच सहमति हो गई है।

(ग) और (घ) भारत-रूसी व्यापार ज्यादातर ऋण पुनर्भुगतान मार्ग से और छोटे स्तर पर दुर्लभ मुद्रा के अन्तर्गत किया जाता है। रूसी परिसंघ को हमारे निर्यात की मुख्य मदों में चाय, काफी, भेषज, वस्त्र, रसायन, काजू गिरी, फलों के रस इत्यादि शामिल है जबकि उर्वरक अखबारी कागज, लौह और अलौह धातुएं रूसी परिसंघ से हमारे आयात की मुख्य मदें है। दोनों ही पक्ष भविष्य में आयात और निर्यात मदों का विविधीकरण करने के लिए इच्छुक है।

Sale of Aluminium Rolled Products by Bharat Aluminium Company Limited

2483. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Bharat Aluminium Company Limited is selling aluminium rolled products at prices much below the manufacturing costs;

(b) if so, whether the company is able to break even; and

(c) the performance of the company's rolled Products Division during the years 1993-94, 1994-95 and 1995-96?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) No, Sir.